श्री सुशीलकुमार संभाजीराव शिन्दे: सभापति महोदय, उस दिन मैंने बजट पर काफी लम्बा भाषण किया था। आज मैं इतना ही पूछना चाहूंगा कि जो मुंबई से बंगलौर वाया पनवेल जाने वाली ट्रेन होंगी उससे ज्यादातर ट्रेफिक वहां बढ़ जाएगा? तो आज जो सेंट्रल रेलवे का लोड है यह लोड मुंबई, पुने, शोलापुर, रायचुर रूट की ट्रेनों का है। इस नयी रेल की जो उन्होंने सुविधाएं दी है जो यहां से चलने वाली हैं क्या आप इसको डाइवर्ट करोगे या वैसे ही रखोगे? मेरा मंत्री जी को यह सुझाव है कि आज जो ट्रेनें चल रही हैं, उनमें कोई भी बदल नहीं होना चाहिये। यदि आपको वहां ज्यादा सुविधा देनी है तो नयी ट्रेनें चलानी चाहियें ताकि बंगलौर से जो लोग मुंबई आते हैं उनको ज्यादा सुविधा मिल जाए और जो कारबार साइड के जाने वाले लोग हैं, पनवेल साइड वालों को और कारबार वालों को दूसरी सुविधा हो जाएगी। यह सुझाव आप मानेंगे या नहीं?

श्री राम विलास पासवान: माननीय सदस्य को उस क्षेत्र की हम से ज्यादा जानकारी है, हम उनके सुझाव पर जरूर गौर करेंगे।

*322. *[The Questioner (Shri Dilip Singh Judev) was absent, for answer vide col ....infra.]*

*323. *The Questioner (Shri K.M. Khan) was absent. For answer vide col ..... infra.]*

*324. *[The Questioner (Shri Ashok Mitra) was absent. For answer vide col ..... infra.]*

MR. CHAIRMAN: Question No. 325.

Train Service from Kanyakumari to Delhi

*325. SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to introduce a train service from Kanyakumari to Delhi;

(b) if so, by when it is likely to be introduced; and

(c) whether Government have taken any steps in this regard, if so, the details thref?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) 6017/6018 कन्याकुमारी-जम्मू तवी हिमसागर एक्सप्रेस पहले ही कन्याकुमारी और दिल्ली के बीच सीधी साप्ताहिक गाड़ी के रूप में उपलब्ध है। इसके अलावा, दिल्ली आने-जाने वाले यात्री तिरूवनंतपुरम में गाड़ी बदल कर, 2625/2626 तिरूवनंतपुरम-नई दिल्ली केरल एक्सप्रेस और 2431/2432 तिरूवनंतपुरम-निज़ामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस से भी यात्रा कर सकते हैं, कन्याकुमारी से दिल्ली तक सीधी गाड़ी चलाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: Mr. Chairman, Sir, my question is very simiple. Kanyakumari is a tourist place and every day people from Haryana, Uttar Pradesh and many other places from all over the country visit Kanyakumari. There is only one train now from Madras to Kanyakumari and only two trains between Madras and Delhi. I would like to know whether there is any proposal to introduce a new train between Kanyakumari and New Delhi.

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, दिल्ली से कन्याकुमारी तक सीधी रेलें चल रही हैं। लेकिन माननीय सदस्य का जो प्रश्न है, जहां तक मैं समझ पाया हूं, वह यह पूछना चाहते होंगे, जो मेरे पास नक्शा है उसके मुताबिक यह पूछना चाहते होंगे कि कन्याकुमारी से तिरूनलवेली, मदुरै, दिंडीगल, करूर, इरोड होते हुए दिल्ली तक ट्रेन हो। यह माननीय सदस्य का प्रश्न है, जो मैं समझ पाया हूं। अब दो ट्रेनें चल रही हैं, वह हैं कन्याकुमारी होते हुए, विक्लोन होते हुए, अर्नाकुलम, शोरनूर और इरोड होते हुए दिल्ली तक जाती है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस गाड़ी का जो रूट है, वह लम्बा रूट है। जो हमने आंकड़ा निकाला है उसके मुताबिक यदि डायरेक्ट दिल्ली से लेकर कन्याकुमारी तक मदुरे होते हुए चलती है तो वह 3008 किलोमीटर होता है लेकिन वह घूम कर इरोड होते हुए जाती है तो वह 3155 किलोमीटर है। तो इस दृष्टिकोण से शार्ट है। लेकिन जैसा कि मैंने माननीय सदस्यों से कहा कि अभी जो ट्रेन उस रूट पर चल रही है लेकिन एक दूसरा भी रूट है जो कन्याकुमारी होते हुए, मद्रास होते हुए दिल्ली जाता है। यह सबसे शार्टेस्ट रूट बनता है। मैं माननीय सदस्य की भावना को समझने की कोशिश कर रहा हूं

कि माननीय सदस्य यह कहना चाहते हैं कि अभी जो ट्रेन आ रही है शोरनूर होते हुए, वह कन्याकुमारी से शोरनूर होते हुए दिल्ली जाती है। इसमें ज्यादा केरल का हिस्सा आता है, तामिलनाडु का हिस्सा कम आता है जो माननीय सदस्य के लिए चिंता का विषय है। वह मेरे लिए भी चिंता का विषय है।

इसलिए मद्रास होते हुए कन्याकुमारी की लाइन का गेज कन्वर्जन का काम चल रहा है। हमको उम्मीद है कि 1998 तक यह गेज कन्वर्जन का काम पूरा हो जाएगा। ज्यों ही गेज कन्वर्जन का काम पूरा हो जाएगा, हम सीधे कन्याकुमारी, दिल्ली से मद्रास होते हुए, चलाने का काम करेंगे।

SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: Sir, I want to know from the Minister whether any steps are being taken by the Railways to provide computerised reservation facility at Kanyakumari and Nagercoil.

SHRI RAM VILAS PASWAN: Where?

SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: At Kanyakumari and Nagercoil.

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, कंप्यूटर का तो अलग क्वेश्चन है। लेकिन कंप्यूटर के लिए हमने 300 रिजरवेशन या कैन्सिलेशन का एक क्राइटिरिया बनाया है। यदि कन्याकुमारी में नहीं है और कन्याकुमारी बहुत ही ऐतिहासिक जगह है तो कन्याकुमारी में कंप्यूटर रिजरवेशन की व्यवस्था कर देंगे। दूसरी जगह का जहां तक सवाल है उसको देखने का काम करेंगे।

श्री गुंडप्पा कोरवार: सभापति जी, हैदराबाद-कर्नाटक एरिया का एक प्रश्न बहुत दिन से सरकार के सामने है। बैंगलौर टु दिल्ली — बीदर, गुलबर्गा तक एक लिंक लाइन बनाएं तो लोगों को रेल संचार में बड़ी सुविधा होती है। बहुत दिनों से यह पेंडिंग है। उसका सर्वे भी हो चुका है। यह लिंक लाइन बनाने से बैंगलौर टु दिल्ली 400 किलोमीटर कम होता है, शार्ट होता है। इसलिए सरकार यह बनाकर क्या लोगों को यह सुविधा देने का इरादा रखती है?

MR. CHAIRMAN: It is a different question. Do you want to answer it?

SHRI RAM VILAS PASWAN: It does not arise from this question.

डा० वाई० लक्ष्मी प्रसाद: आदरणीय सभापतिजी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानकारी जानना चाहता हूं कि कन्याकुमारी से दिल्ली तक के रास्ते में मंत्री महोदय ने तामिलनाडु और कर्नाटक तक के मैप का रूट बताया और यह कि मद्रास से होकर वह गाड़ी दिल्ली तक वाया विजयवाड़ा, रेनीगुंटा जाएगी लेकिन आंध्र प्रदेश में किन-किन प्रांतों से होते हुए जाएगी? यह जानकारी मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं।

श्री राम विलास पासवान: जिस रूट को हमने कहा कि कन्याकुमारी से मद्रास होते हुए दिल्ली तक जाएगी उस रूट में तिरुनेलवेली, मदुराई, दिंडीगुल, त्रिची, मरास और गुडूर है उसके बाद फिर दिल्ली है। यह रूट है।

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता: महोदय, अभी सदन में कन्याकुमारी से दिल्ली तक के लिए चलने वाली ट्रेनों की चर्चा हुई है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। उसको मद्रास से भी चलाने की चर्चा हुई है, इतना महत्वपूर्ण है। लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि दक्षिण का जो सबसे बड़ा हिंदुओं का तीर्थ रामेश्वरम है उसको दिल्ली से ब्राड गेज से सीधा जोड़ने की क्या योजना है? चूंकि अभी मद्रास के बाद गाड़ी चेंज करनी होती है। लाखों यात्री जो वहां पर जाते हैं मेरी अपनी जानकारी के मुताबिक उनको गाड़ी मद्रास में चेंज करनी होती है। कृपया बताएंगे कि क्या कोई ऐसी योजना है? अगर वह नहीं है तो आप कब तक यह सुविधा उपलब्ध कराएंगे?

श्री राम विलास पासवान: कहां से कहां जाने के लिए?

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता: दिल्ली से रामेश्वरम।

श्री राम विलास पासवान: रामेश्वरम और कन्याकुमारी की कितनी दूरी है?

श्री सतीश अग्रवाल: अलग अलग है।

श्री राम विलास पासवान: इसलिए मैंने कहा कि यह क्वेश्चन जो है यह कन्याकुमारी से दिल्ली तक का है। जो डाटा आपका है वह मेरे पास अभी उपलब्ध नहीं है। यदि आप कहेंगे तो फिर बतला दूंगा।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: क्या कोई ट्रेन जा रही है क्योंकि ...(व्यवधान)...कई दफा इस सदन में यह चर्चा हुई है कि वहां पर ...(व्यवधान)... In the cyclone it was devastated. Has it 'oeen resumed or not? *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: It is a different question. *(Interruptions)* I understand your point. You must put a different question. *(Interruptions)*

SHRI JOY NADUKKARA: In view of the fact that Kanyakumari is a tourist centre, will the Railways discard the ageold bogies attached to the trains to Kanyakumari and attach new bogies?

SHRI RAM VILAS PASWAN: That can be considered.

बाढ़ नियंत्रण के उपाय

*326. **श्री रामजीलाल:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में बाढ़ की रोकथाम के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं; और

(ख) हरियाणा में बाढ़ की रोकथाम के लिए केन्द्रीय सहायता की कितनी राशि प्रदान की गई है और उसे कितनी राशि की आवश्यकता थी?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) तथा (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) तथा (ख) भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय बाढ़ आयोग में अपनी रिपोर्ट (1980) में राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किए जाने के लिए 207 सिफारिशें की हैं। 1987 में भारत सरकार के सचिव (डब्ल्यू॰ आर॰) की अध्यक्षता में भारत सरकार द्वारा बाढ़ प्रबन्ध के लिए गठित दो समितियों, जिनमें से एक उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए तथा दूसरी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के लिए थी, ने अपनी रिपोर्ट 1988 में प्रस्तुत की, जिसकी एक अधिकार प्राप्त समिति द्वारा आगे जांच की गई है और उनकी सिफारिशों को अनुवर्ती कार्रवाई हेतु राज्यों को भेजा गया है। गंगा तथा ब्रह्मपुत्र नदियों के अत्यधिक बाढ़ प्रवण घाटियों के लिए गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग तथा ब्रह्मपुत्र बोर्ड जैसे केन्द्रीय संगठनों ने, राज्य सरकारों द्वारा विस्तृत स्कीमें बनाने और उनका कार्यान्वयन करने के लिए, व्यापक मास्टर योजनाएं तैयार की है। योजना आयोग द्वारा राज्यों को योजनागत धनराशि ब्लाक अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाती है। आठवीं पंचवर्षीय योजना में बाढ़ नियंत्रण हेतु हरियाणा राज्य के लिए 52 करोड़ रुपए का कुल परिव्यय रखा गया था। मार्च, 1994 तक वास्तविक व्यय 23.92 करोड़ रुपए, 1994-95 में प्रत्याशित व्यय 9.68 करोड़ रुपए तथा 1995-96 के लिए स्वीकृत परिव्यय 10 करोड़ रुपए है। वर्ष 1996-97 के लिए 11 करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है।

श्री रामजीलाल: चेयरमैन सर, मैं ने आदरणीय मंत्री जी से पूछा था कि देश में बाढ़ की रोकथाम के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं? मंत्री जी ने अपने विवरण में बताया कि भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय बाढ़ आयोग ने 1980 में राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किए जाने के लिए 207 सिफारिशें की है। राज्य सरकार द्वारा विस्तृत स्कीम और उन के कार्यान्वयन के लिए व्यापक मास्टर योजनाएं तैयार की गई है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पीछे घिसी-पिटी रिपोर्टें यहां पटल पर रखी गयी है । सर, पीछे सारा हरियाणा बाढ़ से डूब गया था, इसलिए मैं ने पूछा है कि आपने बाढ़ को रोकने के लिए क्या उपाय किए हैं?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Sir, my colleague will reply because it relates to floods.

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): सभापति जी, आम तौर से बाढ़ और उसे रोकने का इंतजाम राज्य सरकारों की जिम्मेदारी हुआ करती है । सन् 1980 में श्री जयसुख लाल हाथी की अध्यक्षता में एक कमेटी बाढ़ आयोग के नाम से बनी थी । उस ने कुछ सिफारिशें राज्य सरकारों को भेजी थीं और उन सिफारिशों के मुताबिक राज्य सरकारें काम करती है। कहीं-कहीं नहीं भी करती है। मान्यवर, हरियाणा में मुख्य रूप से बाढ़ जमुना और साहबी नदी के कारण आती है और वहां बाढ़ का मुख्य कारण अतिवृष्टि होता है। इस के लिए राज्य सरकार ने कई कदम उठाए है। उन में केन्द्र सरकार जो भी सहायता, सहायता मायने हुआ करता है रुपए-पैसे की कम टैक्निकल ज्यादा, वह समय-समय पर देती रही है।

श्री रामजीलाल: चेयरमैन सर, मंत्री महोदय का यह कहना कि राज्य सरकारों का काम है, मैं समझता हूं ठीक नहीं है। अगर इस तरह की बाढ़ जैसी कि पिछले साल हरियाणा के 17 जिलों में से 12 जिलों में बाढ़